पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर
(छ.ग.शासन के अधिनियम कमांक 26 सन् 2004 द्वारा स्थापित)
(Accredited by NAAC with Grade'A+')
कोनी बिरकोना मार्ग, ग्राम–पोस्ट बिरकोना, बिलासपुर (छ.ग.) पिन– 495009
फोन (07752) 240752, 240712
Website: www.pssou.ac.in E-mail: registrar@pssou.ac.in

क्र. 437/वि.पु./2023 बिलासपुर, दिनांक 22/08/2023

//प्रतिवेदन//

विवेकानंद पुस्तकालय द्वारा
"डेलनेट रिर्सोसेस एवं सर्विसेस" विषय पर वेबीनार का आयोजन

विवेकानंद पुस्तकालय, पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर एवं डेलनेट (Developing Library Network) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान् में "डेलनेट रिर्सोसेस एवं सर्विसेस" विषय पर वेबीनार का आयोजन दिनॉक 16 अगस्त 2023 को दोप. 3 से 4 बजे किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. इंदु अनंत, डेलनेट की डॉयरेक्टर डॉ. संगीता कौल एवं डॉ. शोभित बाजपेयी प्राध्यापक वाणिज्य ऑनलाइन माध्यम से जुडे।

वेबीनार की मुख्य वक्ता डेलनेट की डॉयरेक्टर डॉ. संगीता कौल थी।

वेबीनार के उद्धाटन सत्र में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय डॉ. बंश गोपाल सिंह के प्रतिनिधि के रूप में डॉ. शोभित बाजपेयी ने कुलपति जी के संदेश रखते हुए, डेलनेट द्वारा सदस्य ग्रंथालयों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं एवं सुविधाओं के संबंध में संक्षेप में जानकारी दी। डेलनेट (Developing Library Network) जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट है कि यह संस्था लाइब्रेरी नेटवर्क को विकसित करने के लिए बनायी गयी है। शोधकार्य के लिए डेलनेट के पास एक बडा डेटाबेस है जिसका प्रयोग पाठक अपने शोधकार्य के लिए कर सकता है एवं उसमें प्रमाणीकता एवं गुणवत्ता ला सकते है। आपने आगे कहा कि डेलनेट में ई–जर्नल्स, ई–पुस्तकें, ई–शैक्षणिक वीडियों का भंडार है सदस्य पुस्तकालयों को यह सुविधा प्रदान की जाती है। आज के वेबीनार में जुडे प्रतिभागी डेलनेट के संसाधनों का उपयोग कैसे करेगे इस पर विस्तार से जानकारी दी जावेगी।

वेबीनार की मुख्य वक्ता डेलनेट की डॉयरेक्टर डॉ. संगीता कौल ने डेलनेट के ऐतिहासिक यात्रा के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि डेलनेट पिछले 31 वर्षो से अपनी सेवाएँ दे रहा है। इसका मुख्य कार्य लाइब्रेरी को आपस में जोडकर नॉलेज को उपयोगकर्त्ताओं तक पहुँचाना है। वेबीनार से जानकारी प्राप्त कर सदस्य ग्रंथालयों के पाठक इसका बेहतर उपयोग कर पायेगे। डेलनेट 24 घंटे 7 दिन सेवा प्रदान करने

LIBRARIAN
Pt. Sundarlal Sharma (Open) University
Chhattisgarh, Bilaspur

वाली संस्था है जो सदस्य पुस्तकालयों को विश्वविद्यालय कैंपस के अंदर आई.पी के माध्यम से एवं कैंपस के बाहर आई डी पासवर्ड के माध्यम से सेवा प्रदाय करता है।

अपने आगे अपने वकतव्य में कहा कि 1992 में डेलनेट की स्थापना दिल्ली लाइब्रेरी नेटवर्क के रूप में केवल दिल्ली की सीमा के अंदर पुस्तकालय सेवा प्रदान करने हेतु डॉ. एच. के. कौल द्वारा किया गया था। सितंबर 2000 में डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क के रूप में विकसित हुआ जिसका दायरा दिल्ली से बढ़कर पूरा भारत हो गया। डेलनेट दुनिया का दुसरे नंबर का सबसे बडा नेटवर्क है। इसका मुख्य उद्देश्य रिर्सोर्स शेयरिंग है जो कि अपने यूजर्स को पुस्तकें, टॉपिक, एवं आर्टिकल खोजने में मदद करता है।

डेलनेट में 8 हजार संस्था पंजीकृत है जो कि रिर्सोर्स शेयरिंग के तहत् जुडे हुए है इनके पास जो भी सामग्री है उसका बिबिलोग्रफिक डेटाबेस है जिसकी संख्या 3.7 करोड है जो सदस्य पुस्तकालयों को इंटर लाइब्रेरी लोन के तहत् मांग पर प्रदान किया जाता है। 1.7 करोड पुस्तकें डेलनेट में उपलब्ध है जिसे डॉउनलोड किया जा सकता है।

आपने आगे अपने वकतव्य में नॉलेज गेनर पोट्रल, लेग्वेज लर्निंग पोर्टल, ई–बुक्स, ई–न्यूज पेपर, अन्य ऑनलाइन डेटाबेस, विजन पोर्टल, एवं ई–जर्नल्स के संबंध में विस्तार से बताया कि इसमें उपलब्ध सामग्री को अपनी आवश्यकतानुसार लाइब्रेरी उपयोगकर्ता कैसे प्राप्त कर सकता है।

वेबीनार से जुडे अनेक प्रतिभागियों श्री अर्जुन कुमार पाण्डेय, श्री गोपी गावडे, कु. जमुना सारथी, श्री रेशम लाल प्रधान, श्री सचिन कुमार, श्री सुरेश कुमार, कु. सुशम नहारे, कु. ऐश्वर्या शर्मा, डॉ. रूपेन्द्र रॉव, डॉ. डी. एन. शर्मा, श्रीमती नीलम सेन, डॉ. पुष्कर दुबे, श्री आशीष एंव अन्य प्रतिभागियों ने प्रश्न किया, जिसका मुख्य वक्ता ने निराकरण करते हुए जवाब दिया। इस वेबीनार से 99 प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. इंदु अनंत ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि ज्ञान देने से बढता है। विश्वविद्यालय का ध्येय वाक्य “उच्च शिक्षा आपके द्वार” को चरितार्थ करते हुए, डेलनेट के माध्यम से प्राप्त सेवाएँ एवं सुविधाओं को गॉव–गॉव तक पहुँचाने का प्रयास करेगे। जिस उद्देश्य को लेकर वेबीनार का आयोजन किया गया है हम उसमें जरूर सफल होगे।

वेबीनार में विश्वविद्यालय के ग्रंथपाल डॉ. ओमप्रकाश पटेल ने मुख्य वक्ता द्वारा दिये गये सुझाव को शीध्र ही डेलनेट से संपर्क कर पुरा करने का आश्वासन दिया। वेबीनार में छत्तीसगढ़ के विभिन्न विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों के ग्रंथपाल एवं अन्य स्टॉफ, विश्वविद्यालय मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय, अध्ययन केन्द्र के समस्त शिक्षक, अधिकारी कर्मचारीगण, शाधार्थी एवं अन्य छात्र–छात्राएँ ऑनलाइन माध्यम से जुडे थे।

LIBRARIAN
...ndarlal Sharma (Open) University
...hattisgarh, Bilaspur